दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
: dnpgonline@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.12.2022

प्रकाशनार्थ

दिनांक 24.12.2022 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा **सुशासन दिवस की पूर्व संध्या** पर **''भारत में सुशासन और चुनौतियाँ''** विषय पर विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभाग के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजयेपी के जन्मदिन को भारत सरकार 2014 से सुशासन दिवस मना रही है। भारत में सुशासन की संकल्पना अत्यंत प्राचीन है। भारतीय शास्त्रों में राजा और राज धर्म के कर्तव्यों का उल्लेख मिलता है। पौराणिक साहित्य एवं जन श्रुतियों में रामराज्य की संकल्पना एवं मनु व कौटिल्य के विचारों में प्रजा एवं राजा के कर्तव्य तथा गांधी में सु–राज के संबंध में विचार उत्कृष्ट शासन को व्यक्त करता है। वर्तमान समय में सुशासन के व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से अवधारणा का विकास करने का श्रेय विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम जैसी संस्थाओं को माना जाता है। लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना ने राज्यों के कार्य व दायित्व में व्यापक वृद्धि की है। सुशासन के मूल तत्व भागीदारी, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, जवाबदेहिता, विधि का शासन, दक्षता एवं प्रभावशीलता आदि के प्रति भारत सरकार प्रतिबद्ध है और न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के मूल मंत्र पर काम कर रही है। सुशासन की राह में भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण, नक्सलवाद, हिंसा, अशिक्षा, गरीबी, न्याय में देर, लैंगिक समानता और बढ़ती जनसंख्या जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियां भी हैं। सरकार ई–गवर्नेंस, डी0बी0टी0 एवं सूचना अधिकार अधिनियम जैसे अनेक उपकरण से सुशासन को स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया। संगोष्ठी में विभाग के शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. अखिल कुमार श्रीवास्तव एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
मीडिया, प्रभारी